भा.वा.अ.शि.प. - वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
ICFRE - RAIN FOREST RESEARCH INSTITUTE
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
INDIAN COUNCIL OF FORESTRY RESEARCH & EDUCATION

भा.वा.अ.शि.प.-व.व.अ.सं. निदेशक ने जोरहाट के काकोजान कॉलेज में 'पारिस्थितिक आत्मनिर्भरता' पर प्रकाश डाला

ICFRE - RFRI Director Highlights Eco-Self-Reliance at Kakojan College, Jorhat

नितिन कुलकर्णी, निदेशक, भा.वा.अ.शि.प.-वर्षा वन अनुसंधान संस्थान ने दिनांक 27 मार्च 2026 को असम के जोरहाट स्थित काकोजान कॉलेज में आयोजित "आत्मनिर्भर भारत की ओर बहुआयामी मुद्दे और सतत विकास" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की शुरुआत अत्यंत श्रद्धापूर्ण माहौल में हुई, जब डॉ. कुलकर्णी ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ मिलकर औपचारिक दीप प्रज्वलित किया।/Dr. Nitin Kulkarni, Director of ICFRE–Rain Forest Research Institute, graced the “National Seminar on Environmental Issues and Sustainable Development Towards Atmanirbhar Bharat” held at Kakojan College, Jorhat, Assam, on 27 March 2026, as the Chief Guest. The programme unfolded with a moment of quiet reverence as Dr. Kulkarni, alongside other dignitaries, illuminated the ceremonial lamp.

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. कुलकर्णी ने वैश्विक चिंताओं और स्थानीय वास्तविकताओं को एक साथ पिरोते हुए, हमारे समय की गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों पर पूरी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ बात की। उन्होंने ऐसे सतत् मार्गों की अत्यंत आवश्यकता पर ज़ोर दिया जो भारत को 'आत्मनिर्भर भारत' के स्वप्न की ओर ले जाएँ—एक ऐसा राष्ट्र जो आत्मनिर्भर होने के साथ-साथ प्रकृति के साथ गहरे सामंजस्य वाला हो। 'मिशन LiFE' की मूल भावना पर विचार करते हुए, उन्होंने उपस्थित जनसमूह को याद दिलाया कि असली सस्टेनेबिलिटी की शुरुआत हमारे रोज़मर्रा के जीवन की छोटी-छोटी बातों से ही होती है। हमारे सचेत निर्णयों और देखने में छोटे लगने वाले कार्यों में ही पारिस्थितिक संतुलन के बीज बोए जाते हैं, जो एक ऐसे भविष्य को पोषित करते हैं जहाँ विकास और प्रकृति कदम से कदम मिलाकर चलते हैं।/In his inaugural address, Dr. Kulkarni wove together global concerns and local realities, speaking with clarity and conviction on the pressing environmental challenges of our times. He underscored the vital need for sustainable pathways that lead India toward the vision of an ‘Atmanirbhar Bharat’, a nation self-reliant yet deeply harmonious with nature. Reflecting on the ethos of Mission LiFE, he reminded the gathering that true sustainability begins in the subtleties of everyday life. It is in mindful choices and seemingly small acts that the seeds of ecological balance are sown, nurturing a future where development and nature walk hand in hand.

फ़ोटो गैलरी: कार्यक्रम की झलकियाँ/Photo Gallery: Highlights of the event: -

National Seminar
on
Environmental Issues and Sustainable Development
Towards Atmanirbhar Bharat

National Seminar
on
Environmental Issues and Sustainable Development
Towards Atmanirbhar Bharat
Organised by
In collaboration with
and
GPS Map Camera
Jorhat,Assam,India
Kakojan College Approach Road, Jorhat East, Jorhat, Assam
785107, India
Lat 26.806217, Long 94.351110
Friday, 27/03/2026 10:53 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera